मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

CVG–003

वैदिक गणित में प्रमाण-पत्र

(सी.वी.जी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

सी.वी.जी.-003 : वैदिक बीजगणित

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *किन्हीं* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

---

1. वैदिक बीजगणित का परिचय देते हुए अंकगणित और बीजगणित में अंतर स्पष्ट कीजिए।

2. 'परावर्त्य योजयेत्' तथा 'गुणकसमुच्चयः' इन दोनों सूत्रों की उदाहरण देकर व्याख्या कीजिए।

3. 25×98 का विभाग–गुणा विधि से तथा 236×12 का खण्ड–गुणा विधि से गुणा कीजिए।

4. निम्नलिखित पद्यांश की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए :
अथ स्थाप्योऽन्त्यवर्गो द्विगुण–अन्त्यनिघ्नाः, स्व–स्व–उपरिष्टाच्च तथा अपरे अङ्काः त्यक्त्वा अन्त्यमुत्सार्य पुनश्च राशिम्।

5. वर्ग की ऐतिहासिकता का वर्णन करते हुए 'इष्टोनयुग्रशिवधः कृति स्यादिष्टस्य वर्गेण समन्वितो वा।' सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

6. संख्या 125 का वर्ग की किन्हीं **दो** विधियों के अनुसार वर्ग कीजिए।

7. बीजगणित के क्षेत्र में योगदान देने वाले किन्हीं **दो** भारतीय आचार्यों के कृतित्व का वर्णन कीजिए।

× × × × ×